PUBLICATION NAME :	Danik Bhaskar
EDITION :	Bhopal, Chandigarh, Raipur, Indore and New Delhi
DATE :	07/07/2022

दैनिक भास्कर भोपाल 07-07-2022

प्लास्टिक के विकल्प को मिली मान्यता

मक्का-गन्ना और शकरकंद से बन रही बोतलें-थैलियां, 180 दिन में डिकंपोज हो जाती हैं

अनिरूद्ध सिंह परमार. अहमदाबाद | सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प दिया है भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के इंक्यूबेशन सेंटर समर्थित स्टार्ट-अप ने। फ्युटुर डॉट कॉम नामक इस स्टार्ट-अप के इस विकल्प को सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने मान्यता दे दी है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही ये उत्पाद बाजार में उपलब्ध होंगे। निर्माता का दावा है कि उनके द्वारा तैयार ये बोतल-थैलियां 180 दिन में नष्ट हो जाती हैं। इस उत्पाद को मक्का, गन्ना और शकरकंद से तैयार किया जाता है। अभी इनका प्रयोग अहमदाबाद स्थित एक होटल के अलावा दक्षिण भारत की डेयरी चेन में किया जा रहा है। आईटी और रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प देने वाले उत्पाद को रेलवे में प्रयोग किए जाने की सिफारिश की है।

पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली हैं हमारे उत्पाद, प्लास्टिक के मुकाबले कम वजन

संस्थान से जुड़े निखिल कुमार ने बताया कि हमारा ये उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली है। मैंने पिता के साथ मिलकर स्टार्टअप शुरू किया है। अभी हमारे द्वारा तैयार की गईं बोतल और थैलियों को अहमदाबाद के कुछ होटल के अलावा गिफ्ट सिटी की कैंटीन में प्रयोग में लिया जा रहा है। ये बोतल और थैलियां (प्लास्टिक जैसी) 180 दिन में डिकंपोज हो जाती हैं। प्लास्टिक के मुकाबले इनका वजन कम होता है। हम 30 माइक्रोन तक के उत्पाद तैयार करते हैं। इन्हें यदि पशु खा भी लेते हैं तो वह उनके लिए हानिकारक नहीं होंगे। निखिल ने बताया कि वे उत्पाद तैयार करने के लिए कच्चा माल दक्षिण अफ्रीका से मंगवाते हैं।